पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज

पर्यावरण जागरूकता के 'प्रकृति' कार्यक्रम में वैज्ञानिक – विद्यार्थी संवाद का आयोजन

पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने के लिए जीवन शैली में किए जा सकने वाले छोटे परिवर्तनों के विषय में जन–जागरूकता बढ़ाने के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा शुरु किए गए अभियान शुभंकर 'प्रकृति' के अंतर्गत दिनांक 29.09.2022 को पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा केन्द्रीय विद्यालय, मनौरी, प्रयागराज में 34वाँ पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए जलवायु परिवर्तन, वन क्षेत्र एवं जैव विविधता ह्रास के दुष्परिणामों को बताते हुए पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने का आह्वान किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य शालिनी दीक्षित ने मंत्रालय द्वारा प्रकृति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि आज मानव अपनी सुविधाओं के लिए प्रकृति में असंतुलन पैदा रहा है जिससे कोरोना जैसी महामारी पैदा हो जाती है। केन्द्र के क्रियाकलापों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से केन्द्र द्वारा हरित आवरण बढ़ाने के प्रयासों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया साथ ही पर्यावरण प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन हुआ जिसमें बच्चों ने पुरस्कार प्राप्त किये। कार्यक्रम समन्वयक, डा0 अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि औद्योगीकरण तथा अन्य कारणों द्वारा बढ़ने वाले तापमान से ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को वानिकी द्वारा ही कम किया जा सकता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने पर बल दिया, साथ ही विभिन्न विलुप्त होती वृक्ष एवं फल प्रजातियों से भी अवगत कराया। उन्होने पर्यावरण सुधार हेतु प्लास्टिक के उपयोग को भी कम करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने में सुश्री कल्पना द्विवेदी, शिक्षिका, संजय कुमार, शिक्षक के0वि0, मनौरी के साथ नरेश कलोत्रा तथा अंकुर श्रीवास्तव आदि का विशेष सहयोग रहा।

प्रकृति
संवाद
पर्यावरण जागरूकता
कार्यक्रम

LED LIGHTS USES 82% LESS ENERGY
Helps decreasing green house gas emissions
LED'S ARE MERCURY FREE, LASTS LONGER
Generates less heat compared to traditional lighting.
SOLAR LIGHTS, A RENEWABLE AND POLLUTION FREE ALTERNATIVE CAN ALSO BE USED TO CURB ON HARMFUL EMISSIONS.
LED LIGHTS
SOLAR LIGHTS
CFL LIGHTS
TRADITIONAL LIGHTS
प्रकृति
वैज्ञानिक विद्यार्थी
संवाद
पर्यावरण जागरूकता
कार्यक्रम

केन्द्रीय विद्यालय
मनौरी
स्वागतम्
PRAKRITI

मीडिया कवरेज

प्रयागराज अमृत प्रभात 3
प्रयागराज, शुक्रवार 30 सितम्बर 2022

हिमांशु ने वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक द्वितीय का पदभार ग्रहण किया

प्रयागराज (नि.सं.)। 2008 सिविल सेवा बैच के भारतीय रेल यातायात सेवा वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक द्वितीय का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने यह पदभार प्रकाश से ग्रहण किया जिनका स्थानान्तरण एडिशनल रजिस्ट्रार रेलवे क्लेम शुक्ला उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक दाबा उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय का में परास्नातक की उपाधि हासिल की। धनबाद मण्डल से सहायक सेवा प्रारम्भ की। उन्होंने मण्डल परिचालन प्रबंधक, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक निदेशक, पंडित दीन दयाल उपाध्याय एवं उप मुख्य महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवा प्रदान की है।

ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को वानिकी के जरिये किया जा सकता है कमः डॉ. अनुभा

पर्यावरण जागरूकता के प्रकृति कार्यक्रम में वैज्ञानिक-विद्यार्थी संवाद

प्रयागराज (नि.सं.)

पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने के लिए हमारी जीवन शैली में किए जा सकने वाले छोटे बदलावों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा शुरू किए गए अभियान शुभंकर प्रकृति के अंतर्गत गुरुवार को पारि-पुर्नस्थापन वन अनुसन्धान केन्द्र द्वारा केंद्रीय विद्यालय, मनौरी प्रयागराज में 34वां पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने सम्बोधित करते हुए विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन, वन क्षेत्र एवं जैव विविधता ह्रास के दुष्परिणामों को बताते हुए परिस्थितिकी-तंत्र को बचाने का

आह्वान किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य शालिनी दीक्षित ने कहा कि आज मानव अपनी सुविधाओं के लिए प्रकृति में असंतुलन पैदा कर रहा है जिससे कोरोना जैसी महामारी पैदा हो जाती है। डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म के माध्यम से केन्द्र द्वारा हरित आवरण बढ़ाने के प्रयासों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। पर्यावरण प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन हुआ जिसमें बच्चों ने पुरस्कार प्राप्त किये। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव वैज्ञानिक ने कहा कि औद्योगीकरण तथा अन्य कारणों द्वारा बढ़ने वाले तापमान से ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को वानिकी द्वारा ही कम किया जा सकता है। डॉ. अनीता तोमर ने परिस्थितिकी-तंत्र को बचाने पर बल दिया। विभिन्न विलुप्त होती वृक्ष एवं फल प्रजातियों से भी अवगत कराया।

Spotlight on ecological balance at 'prakriti parv' at KV Mannauri

Prayagraj: A programme — prakriti parv — was organised at Kendriya Vidyalya AFS Manauri under forest research centre for eco-rehabilitation (FRCER), Prayagraj on Thursday. Scientist and head of FRCER Sanjay Singh graced was the chief guest while principal Shalini Dikshit was the guest of honour.

Anubha Srivastava, scientist D and Anita Tomar, scientist F also attended this programme. The chief guest said: "There must be an ecological balance among fisheries, forest, grassland and cropland. One tree is equal to ten sons for an individual." Anubha Srivastava, presented a documentary highlighted the forest policy of India and 14 centres of IFD.

Forest plays a vital role in conservation of environment and we need to keep the production of co2 at zero level by 2070, she stressed.

Anita Tomar, scientist, said: "we do not own this earth rather we have borrowed it from our successors. We are not the individual citizen of our country rather we are the citizen of this earth. One plant one individual concept should be followed." A quiz competition was also organised for the children.

The principal highlighted on nature and eco system and importance of conservation of environment and earth.

Children must be aware about nature as they are the future of the nation. TNN

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesgroup.com or Call: 18001205474 (Toll Free)